भारत सरकार **लोक सभा**
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय **अतारांकित प्रश्न सं.3492**
(वाणिज्य विभाग)

दिनांक 17 दिसंबर, 2024 को उत्तर दिये जाने के लिए

भारत और यूएई के बीच द्विपक्षीय व्यापार

3492. श्री बैजयंत पांडा:

क्या **वाणिज्य और उद्योग** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौता (सीईपीए), 2022 के कार्यान्वयन के बाद से भारत और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच द्विपक्षीय व्यापार का ब्यौरा और कुल मूल्य क्या है और पिछले तीन वर्षों के दौरान व्यापार की मात्रा और मूल्य वृद्धि की तुलना क्या है;
(ख) उन विशिष्ट क्षेत्रों और उत्पादों का ब्यौरा क्या है जिन्होंने संयुक्त अरब अमीरात को किए जाने वाले निर्यातों में सर्वाधिक वृद्धि दर्शाई है;
(ग**)** क्या सरकार सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) तथा अन्य निर्यातोन्मुखी क्षेत्रों द्वारा सीईपीए लाभों के उपयोग को विशेषकर क्षमता निर्माण, बाजार पहुंच सहायता और अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुपालन हेतु वित्तीय सहायता प्रदान करने के संबंध में कोई लक्षित उपाय कर रही है; और
(घ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री जितिन प्रसाद)

(क) : डीजीसीआईएस के आंकड़ों के अनुसार, भारत-यूएई द्विपक्षीय व्यापार ने उत्तरोत्तर वृद्धि दर्शाई है और इसमें वर्ष 2023-2024 में -1.4% की मामूली गिरावट से पहले वर्ष 2022-23 में 16.41% की वृद्धि हुई लेकिन इसमें वर्ष 2024-2025 की पहली छमाही में 34.57% की वृद्धि के साथ मजबूती से सुधार हो रहा है। व्यापार की मात्रा और मूल्य वृद्धि की तुलना सहित संयुक्त अरब अमीरात के साथ भारत के द्विपक्षीय व्यापार का विवरण निम्नवत है:

मूल्य मिलियन अमेरिकी डॉलर में

(स्रोत-डीजीसीआईएस)

क्र.सं.	वर्ष	2022-2023	2023-2024	2023-24 (अप्रैल-सितंबर)	2024-25 (अप्रैल-सितंबर)
1	निर्यात	31,608.79	35,625.02	15,467.63	17,206.58
	%वृद्धि	12.71	12.71		11.24
2	आयात	53,231.55	48,025.58	20,695.03	31,458.27
	%वृद्धि	18.73	-9.78		52.01
3	कुल व्यापार	84,840.34	83,650.60	36,162.65	48,664.85
	%वृद्धि	16.41	-1.4		34.57

(ख): निर्यात ने कृषि उत्पादों जिसमें पशु उत्पाद, वनस्पति उत्पाद, तैयार खाद्य पदार्थ निहित है, इंजीनियरिंग सामानों जिसमें मुख्य रूप से मशीनरी उपकरण; वाहन, वायुयान, कीमती एवं अर्द्ध-कीमती धातु, रासायनिक उत्पाद आदि निहित है, में वृद्धि को दर्शाया है।

(ग) और (घ): भारत को अपनी 97% से अधिक टैरिफ लाइनों पर यूएई द्वारा प्रदान की गई अधिमान्य बाजार पहुंच से लाभ प्राप्त होता है, जो मूल्य के संदर्भ में यूएई को भारतीय निर्यात का 99% हिस्सा है और इसमें श्रम-गहन क्षेत्रों (जिनमें से अधिकांश एमएसएमई श्रेणी में हैं) जैसे रत्न और आभूषण, कपड़ा, चमड़ा, फुटवीयर, खेल के सामान, प्लास्टिक, फर्नीचर, कृषि और लकड़ी के उत्पाद शामिल हैं। एमएसएमई मंत्रालय ने दोनों पक्षों के एमएसएमई के बीच भागीदारी को बढ़ावा देने और भारत – यूएई सीईपीए से उत्पन्न वाणिज्यिक अवसरों का लाभ उठाने में एसएमई को सहायता करने के उपायों की पहचान करने हेतु द्विपक्षीय सीईपीए के प्रावधान के तहत संयुक्त एसएमई समिति का गठन किया है। मार्केट एक्सेस इनिशिएटिव (एमएआई) योजनाओं के माध्यम से, एमएसएमई को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है जो संयुक्त अरब अमीरात सहित लक्षित देशों को सतत् आधार पर भारत के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करती है। एमएसएमई मंत्रालय ने अपनी अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग (आईसी) स्कीम के जरिए यूएई में आयोजित विभिन्न अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार मेलों/प्रदर्शनियों में एमएसएमई प्रतिनिधियों के भारतीय एमएसएमई प्रतिनिधि मंडल को भाग लेने में सुविधाजनक बनाया है।

*****